हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 159 | देहरादून, शुक्रवार, 15 दिसंबर, 2023 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

मुख्यमंत्री धामी के स्मार्ट विज़न से सोनिका ने देहरादून को बना दिया स्मार्टसिटी ! 3

विकसित भारत संकल्प यात्रा का प्रदेश में हो रहा है कुशल क्रियान्वयन : निदेशक डॉ नेहा गर्ग

एनएचएम निदेशक भारत सरकार का दो दिवसीय उत्तराखंड दौरा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 14 दिसम्बर : राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन सभागार में डॉ नेहा गर्ग, निदेशक, एनएचएम, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालाय भारत सरकार की अध्यक्षता में प्रदेश में संचालित विकसित भारत संकल्प यात्रा व राष्ट्रीय कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में निदेशक महोदया द्वारा प्रदेश में संचालित विकसित भारत संकल्प यात्रा व राष्ट्रीय कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत जानकारी लेते हुए स्वास्थ्य विभाग के कुशल क्रियान्वयन को सराहा। उन्होंने कहा, प्रदेश में विकिसित भारत संकल्प यात्रा के तहत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसमें आमजन की स्वास्थ्य स्क्रीनिंग व जांचे निरतंर की जा रही है।

निदेशक डॉ नेहा गर्ग ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संचालित मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रम में संस्थागत प्रसव में हुए सुधारों को सराहा साथ ही मातृ मृत्यु दर कम किये जाने हेतु आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में प्रतिरक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदेश में यू-विन पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण किया जा रहा है जिस पर निदेशक द्वारा टीकाकरण की व्यपकता को बढ़ाने हेतु बल दिया गया। आयुष्मान आरोग्य मंदिर (पूर्व में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर) में दवाईयों की उपलब्धता बढ़ाने पर बैठक में आवश्यक निर्देश दिये गये। उन्होंने कहा, प्रदेश में सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर आने वालों को दवाईयां मुहैया कराना सुनिश्चित किया जाए।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान ली स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी

निदेशक डॉ नेहा गर्ग द्वारा बताया गया कि भारत सरकार आमजन को स्वास्थ्य प्रदान किये जाने हेतु उत्तराखंड को पूर्ण सहयोग दे रही है। जिस हेतु विभिन्न कार्यक्रमों की मॉनीटरिंग कर उपयोगी निर्देश भी समयानुसार दिए जा रहे हैं।बैठक में निदेशक महोदया द्वारा राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम, राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन, क्वालिटी एश्योरेंस, ब्लड स्क्रीनिंग, राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग, गैर संचारी रोग आदि कार्यक्रमों की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को विभिन्न कार्यक्रमों का लाभ आम जनमानस को पहुंचाने हेतु निर्देश दिये।उन्होंने कहा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एक महत्वपूर्ण पहलू है जो सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। इस मिशन के अंतर्गत, सरकार ने कई कदम उठाए हैं जो भारतीय नागरिकों को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की दिशा में हैं जो ग्रामीण स्तर तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को मजबूत कर रहा है।बैठक में स्वाति भदौरिया मिशन निदेशक एनएचएम, कार्यक्रम अधिकारी डॉ अमित शुक्ला, डॉ राजन अरोड़ा, डॉ अजय नगरकर, डॉ पकंज सिंह, डॉ अर्चना ओझा, डॉ फरीदुजफर, डॉ मुकेश राय, डॉ तुहिन कुमार, राज्य क्रार्यक्रम प्रबंधक महेंद्र मौर्य आदि अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे।

सखी जलायेगी आपका चूल्हा ! धामी सरकार की पहल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 15 दिसंबर , अगर आपके घर कोई मेहमान आ जाये और चूल्हा न जले तो क्या होगा ? आप सोचिये कि घरवाले खाना खा रहे हैं लेकिन सिलेंडर खत्म हो जाये और कोई विकल्प न हो तो क्या हो ? यही हालात पहाड़ों में अक्सर तब हो जाती है जब सिलेंडर बड़ी मुश्किल से मिलता है और खत्म होने पर लम्बा इंतज़ार करना पड़ता है लेकिन अब उत्तराखंड के दुर्गम और मुश्किल रास्तों पर बसे गाँव और कस्बों में धामी सरकार की सखी आपका चूल्हा जलायेगी वो भी झटपट

ग्राम्य विकास विभाग की मिनी गैस एजेंसी योजना

जी हाँ पहाड़ की महिलाओं को रसोई गैस सिलिंडर खत्म होने पर अब लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। राज्य सरकार मिनी गैस एजेंसी के माध्यम से इस कमी को दूर करने जा रही है। मिनी गैस एजेंसी का संचालन स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाएं करेंगी, इन्हें ईंधन सखी नाम दिया गया है। पायलट प्रोजेक्ट के तौर चार जिलों में यह योजना शुरू हो चुकी है। इसके लिए

सरकार ने एचपी कंपनी से करार किया है। प्रदेश में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना शुरू होने के बाद घर-घर गैस सिलिंडर तो पहुंच गए हैं, लेकिन खासकर पर्वतीय क्षेत्रों में अब भी सिलिंडर रिफिल कराने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है या कई किमी दूर जाना पड़ता है। इस समस्या से पार पाने के लिए ग्राम्य विकास विभाग ने मिनी गैस एजेंसी योजना शुरू की है।

एचपी कंपनी की ओर से महिलाओं को मिनी गैस एजेंसी संचालन की ट्रेनिंग दी जाएगी। अभी

तक उत्तरकाशी की 40, टिहरी की 16 और हरिद्वार की पांच महिलाओं सहित कुल 61 ईंधन सखी तैयार हो चुकी हैं। मिनी गैस एजेंसी में हर वक्त पांच भरे हुए गैस सिलिंडर उपलब्ध रहेंगे। कंपनी की ओर से हर सिलिंडर पर ईंधन सखी का 20 रुपये तक कमीशन मिलेगा। बर्नर, चूल्हा, इसकी सर्विस, गैस पाइप, नए कनेक्शन देने, डीबीसी कनेक्शन पर भी कंपनी की ओर से कमीशन दिया जाएगा। गांव-गांव में प्रचार प्रसार करने पर एक हजार रुपये अलग से मिलेंगे।

अपर सचिव एवं आयुक्त ग्राम्य विकास विभाग आनंद स्वरूप, के मुताबिक योजना के दो उद्देश्य हैं। पहला स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की आय बढ़ाना और दूसरा सुदूर क्षेत्रों में आसानी से गैस पहुंचाना। शीघ्र ही योजना अन्य जिलों में भी शुरू होगी। अब देखना होगा कि पहाड़ों में धामी सरकार की ये अनोखी सखी कितना फायदा मातृशक्ति को पहुंचा पायेगी।

हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी खरीदना होगा आसान, नए साल में बदलेंगे नियम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 15 दिसंबर : इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया (IRDAI) ने देश की सभी इंश्योरेंस कंपनियों को हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी जारी करने को लेकर एक नया सर्कुलर जारी किया है. इस सर्कुलर में देश की सभी इंश्योरेंस कंपनियों को यह दिशा-निर्देश जारी किया गया है कि 1 जनवरी 2024 के बाद वह जो भी हेल्थ इंश्योरेंस की पॉलिसी जारी करेंगे उसके साथ उन्हें पॉलिसी होल्डर को एक कस्टमर इनफॉरमेशन शीट भी मुहैया करानी होगी।

अगर साफ शब्दों में कहें तो अब हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों को कस्टमर इनफॉरमेशन शीट में हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी (Health Policy) से जुड़ी सारी महत्वपूर्ण जानकारी आसान शब्दों में पॉलिसी होल्डर को देनी होगी. उन्हें यह बताना होगा की पॉलिसी का कवरेज क्या है और इस पॉलिसी से उन्हें क्या-क्या फायदा हो सकता है. इसके साथ हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों को यह भी बताना होगा कि अगर पॉलिसी होल्डर हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम करना चाहते हैं तो उसकी क्या प्रक्रिया है. अगर उन्हें कोई शिकायत है तो शिकायत के निवारण के लिए कंपनी ने क्या मापदंड तय किए हैं . इसमें कस्टमर इनफॉरमेशन शीट में शिकायत निवारण अधिकारी का नाम और उसे आसानी से संपर्क करने से जुड़ी जानकारी भी साझा करनी होगी।

पहली बार इंश्योरेंस रेगुलेटर ने इंश्योरेंस कंपनियों को यह निर्देश दिया है कि कोई भी पॉलिसी होल्डर अगर हेल्थ इंश्योरेंस की पॉलिसी खरीदने के बाद उसे कैंसिल करना चाहता है तो यह विकल्प भी उनके पास होगा. अब हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी (Insurance Policy) खरीदने के बाद एक सीमित तय समय तक इंश्योरेंस पॉलिसी होल्डर पॉलिसी को कैंसिल भी कर सकेगा,अगर उसे लगता है यह पॉलिसी उसके लिए उपयुक्त नहीं है.लेकिन यह सुविधा एक सीमित तय समय तक के लिए ही उपलब्ध होगी और यह सीमा इंश्योरेंस कंपनियां तय करेंगे।

इसके साथ ही, हर पॉलिसी होल्डर को हेल्थ इंश्योरेंस की पॉलिसी खरीदने के दौरान इंश्योरेंस कंपनियों को पारदर्शी तरीके से अपने स्वास्थ्य से जुड़ी सारी जानकारी मुहैया करानी होगी जिससे कि आगे इंश्योरेंस क्लेम में दिक्कत न आए.इंश्योरेंस रेगुलेटर के मुताबिक, इस नई पहल के पीछे सोच देश में इंश्योरेंस पॉलिसी को खरीदने और बेचने की जो मौजूदा प्रक्रिया है उसे और पारदर्शी और कारगर बनाने की है.

यहां बनेगा उत्तराखंड का पहला यूनिटी मॉल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार 15 दिसंबर : उत्तराखंड का हरिद्वार शहर धार्मिक पर्यटन का केंद्र है। हर साल लाखों श्रद्धालु यहां मां गंगा का आशीर्वाद लेने पहुंचते हैं।अब सरकार यहां यूनिटी मॉल बनाने जा रही है। इससे हरिद्वार आने वाले पर्यटकों को किसी भी राज्य का मशहूर हस्तशिल्प सामान और कपड़े एक ही छत के नीचे मिल सकेंगे। वह घर लौटते वक्त देश-विदेश का मशहूर हस्तशिल्प याद के तौर पर अपने साथ ले जा सकेंगे।

इस मॉल में देश के सभी राज्यों की एक-एक दुकान होगी, जो अनेकता में एकता की प्रतीक होंगी। वित्त मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने इस पर अपनी संस्तुति दे दी है। यूनिटी मॉल हरिद्वार में हाईवे पर ज्वालापुर में बनेगा। जिस पर 164 करोड़ की लागत आएगी। इतना ही नहीं। इस मॉल में उत्तराखंड के पारंपरिक उत्पाद भी बिक्री के लिए रखे जाएंगे, जिससे यहां के उत्पादों को नई पहचान मिलेगी। मॉल में विभिन्न राज्यों की संस्कृति के साथ ही मनोरंजन का भी पूरा ख्याल रखा गया है। बहुमंजिला मॉल में ओपन सिनेमा हाल बनाया जाएगा, जिसमें किसी भी तल से लघु नाटिका या फिल्म देखी जा सकेगी।

वित्त मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि यूनिटी मॉल के माध्यम से हर राज्य के मशहूर हस्तशिल्प, सामान और कपड़े की खरीदारी एक छत के नीचे उपलब्ध हो सकेगी। हरिद्वार रुड़की विकास प्राधिकरण जल्द ही 164 करोड़ की लागत से हरिद्वार-दिल्ली हाईवे पर ज्वालापुर में यूनिटी मॉल का निर्माण करेगा। मॉल के लिए रानीपुर झाल के समीप जगह भी चिह्नित कर ली गई। डीपीआर से लेकर डिजाइन तक फाइनल हो चुका है। अनेकता में एकता के प्रतीक वाले इस मॉल Uttarakhand first Unity Mall में देश के सभी राज्यों की एक-एक दुकान रहेगी।

बदलते मौसम के साथ सेहत का रखें ख्याल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 15 दिसंबर : मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है, अब ठंड बढ़नी शुरू होगी है ठंड में जब तापमान डाउन होता है, तो हमें अपनी सेहत का विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होती है, क्योंकि मौसम के परिवर्तन के साथ संक्रमण का खतरा भी बढ़ जाता है, जिससे कई तरह की संक्रामक बीमारियों का सामना करना पड़ सकता है. इस बारे में एक मौजूदा चिकित्सक, डॉक्टर सैयद आसिफ से अपनी सेहत का ख्याल रखने के उपाय जानिए। जब जाड़े का मौसम आता है, तो आमतौर पर सर्दी, खांसी, बुखार, और जोड़ों के दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं. ठंड के मौसम में, आपको खाने पीने में स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद चीजों का चयन करना होगा, जैसे कि गर्म पानी, आइसक्रीम, कोल्ड ड्रिंक्स, और बर्फ के गोले की बजाय. इसके अलावा, आपको अपनी इम्यूनिटी का ध्यान देना भी महत्वपूर्ण है।

अपनी इम्यूनिटी पर ध्यान देना जरूरी

अगर आपका इम्यूनिटी सिस्टम मजबूत है, तो आपको संक्रामक बीमारियों से लड़ने की ताक़त मिलती है. इम्यूनिटी को मजबूत रखने के लिए, प्रोटीन-रिच आहार का सेवन करें, जैसे कि मांस, और शाकाहारी व्यक्तियों को अंकुरित चना, मूँग, और फल्ली के सेवन का भी ध्यान रखें. साथ ही, दिन में कम से कम 40 मिनट की व्यायाम भी करें, जो स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होती है.

सावधान : कही आपकी आवाज चुराकर कोई आपको चूना न लगा दे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 15 दिसंबर : सोशल साइट्स पर अगर वीडियो डालने का शौक है तो ये खबर पढ़ लें, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चुरा लेगा आपकी आवाज जी हाँ , सोशल मीडिया पर वीडियो अपलोड करना अब खतरे से खाली नहीं है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की डीफेक तकनीक के जरिए चुराई जा रही हैं आवाज। आपकी या आपके रिश्तेदारों की आवाज कॉपी करके कोई भी लगा सकता है आपको चूना। कैसे हो रही है ये धोखाधड़ी चलिए जानते हैं।

फेसबुक पर संभलकर डाले अपने वीडियो

सोशल साइट्स का क्रेज लगातार लोगों में बढ़ता ही जा रहा है। फोटो के साथ-साथ वीडियो अपलोड करने का शौक लोगों में काफी तेजी से बढ़ा है। कोई रील्स बनाकर डालता है, कोई अपने बच्चे का वीडियो डालता है, कोई अपने माता-पिता का। गर्लफ्रेंड बॉयफ्रेंड, पति - पत्नी अपने खुशगवार पलों को सोशल साइट्स पर शेयर करते रहते हैं, लेकिन अब ये बेहद खतरनाक बनता जा रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए चुराई जा रही हैं आवाज।

आपकी आवाज चुराकर कोई आपको चूना न लगा दे

सबसे पहले कनाडा के इस को समझिए जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी की मदद से आवाज चुराकर एक बुजुर्ग दंपत्ति को चूना लगा दिया गया। बुजुर्ग दंपत्ति के पास एक फोन आया। फोन पर जो आवाज थी वो उनके पोते ब्रैंडन पार्किंग की थी जो दूसरे शहर में रहता था। ब्रेंडन ने अपने दादा-दादी से बात की और कहा कि मैं मुश्किल में हूं। मैं जेल में बंद हूं और मुझे बाहर निकलने के लिए पैसे चाहिए। उसने बताया कि वो अपने वकील के नंबर से फोन कर रहा है। इसके बाद उसके वकील ने भी बात की और कहा कि आप 18 लाख रुपये ट्रांसफर कर दीजिए।

बुजुर्ग दंपत्ति को लगा 18 लाख का चूना

बुजुर्ग दंपत्ति अपने पोते की आवाज सुनकर परेशान हो गए। उन्हें ये समझ आ चुका था कि ये आवाज उनके पोते की है और वो किसी भी कीमत पर उसकी मदद करना चाहते थे। उन्होंने बैंक जाकर 3000 कैनेडियन डॉलर यानी 18 लाख रुपये निकाले और बेटिकन के जरिए उस वकील को ट्रांसफर कर दिए, लेकिन अब आप ये जानकर हैरान रह जाएंगे कि जो फोन उनके पोते ने किया था दरअसल वो उनका पोता नहीं बल्कि उसकी चुराई हुई आवाज थी।

डीफेक तकनीक से बुना जा रहा है जाल

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक तरह से बनावटी तरीके से विकसित की गई बौद्धिक क्षमता है। इसमें एक डीपफेक तकनीक होती है। इस तकनीक की मदद से ही किसी की भी आवाज, फोटो या वीडियो का सैंपल लेकर उसकी क्लोनिंग कर दी जाती है। इस तकनीक से तैयार ये ऑडियो-वीडियो इतने रियल होते हैं कि खुद आप अपनी आवाज सुनकर भ्रम में पड़ जाएंगे। देशभर में इस तरह की ठगी के कई केस दर्ज हो चुके हैं। पहले ये सिर्फ बाहरी देशों में ही हो रहा था, लेकिन अब यहां भी इस तरह के फ्रॉड काफी ज्यादा बढ़ गए हैं। इसलिए जब भी आप फेसबुक या किसी और साइट्स पर अपने वीडियो डाल रहे हैं तो सावधान रहें।

मुख्यमंत्री धामी के स्मार्ट विज़न से सोनिका ने देहरादून को बना दिया स्मार्टसिटी !

देहरादून स्मार्ट सिटी द्वारा सड़क निर्माण के साथ साथ देहरादून को आकर्षक बनाने की किए जा रहे प्रयास

मौहम्माद सलीम सैफी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,14 दिसंबर। साल 2024 के स्वागत के लिए देहरादून अब नए अंदाज़ में तैयार है,सड़क हो,फुटपाथ हो,रोशनी हो या अंदाज़ हो या फिर एक शानदार एंबियंस , हर मोर्चे पर बाज़ी मार ली सीईओ सोनिका और उनकी टीम ने,अब लगता है कि हम स्मार्टसिटी देहरादून में रह रहे है,इसे ही कहते है स्मार्ट मुख्यमंत्री की स्मार्ट कार्यशैली का असर कि सालों से बेअसर स्मार्टसिटी प्रोजेक्ट के कामों को असरदार तरीके से धरातल पर सच कर दिखाना।

स्मार्ट सिटी की सीईओ सोनिका ने जिस दमदार तरीके से प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री धामी के विज़न को सच कर दिखाया है वो काबिले तारीफ़ है।स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत स्मार्ट सड़कों के कार्यो के साथ- साथ देहरादून की सौंदर्यता को बढ़ाने हेतु भी विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं। वर्तमान में चकराता रोड पर बिंदाल पुल को आकर्षक बनाने के उद्देश्य से पुल के दोनो तरफ CNC MS CUTTING शीट लगाई गई है। जिस पर बायीं ओर DEHRADUN एवम दायीं ओर UTTARAKAKHAND के साथ साथ संस्कृत में गायत्री मंत्र एवम अन्य श्लोक भी लिखे गए हैं एवं भव्यता बढ़ाने हेतु वॉल वॉशर लाइटें भी लगाई गई हैं।

इसी प्रकार ई सी रोड पर भी विकसित किए गए फुटपाथ पर बच्चों एवं स्थानीय नागरिकों हेतु झूले, स्मार्ट सेल्फी पॉइंट, फुटपाथ पर एल आकार की एल.ई.डी. लाइट स्थापित की गई है। स्मार्ट सिटी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं जिलाधिकारी श्रीमती सोनिका ने कहा कि देहरादून पर्यटन की दृष्टि से भी एक महत्वपूर्ण शहर है, इसलिए शहर को पर्यटकों हेतु आकर्षक एवं देहरादून के जनमानस हेतु सुलभ एवं सुविधाओं से युक्त बनान स्मार्ट सिटी की प्राथमिकता में हैं।

हाईटेक हुआ ऋषिकेश का पुराना रेलवे स्टेशन, ये हुए बदलाव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश 15 दिसंबर : उत्तराखंड में रेल सेवाओं में सुधार की कवायद जारी है। रेलवे स्टेशनों को हाईटेक बनाया जा रहा है, ताकि यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। इसी कड़ी में ऋषिकेश के पुराने रेलवे स्टेशन का भी कायाकल्प किया गया है। यहां इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग का कार्य पूरा हो गया है। अब योग नगरी ऋषिकेश स्टेशन की तरह पुराने ऋषिकेश स्टेशन से भी 24 कोच की रेल गाड़ियां संचालित हो पाएंगी। स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग के अंतर्गत फायर अलार्म सिस्टम भी लगाया गया है।

इससे आगजनी की घटनाओं पर नियंत्रण पाया जा सकेगा। मुरादाबाद रेल मंडल ने यहां इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग का काम कराया है। इससे रेलगाड़ियों की गति एवं सुरक्षा में वृद्धि होगी। ऋषिकेश रेलवे स्टेशन में इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग के पूर्ण होने का फायदा रेल यात्रियों एवं कर्मचारियों को मिलेगा। स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या एक पर 24 कोच की यात्री गाड़ी का संचालन किया जा सकेगा। इस स्टेशन में 16 पॉइंट की मशीन को इलेक्ट्रॉनिक किया गया है, जिससे सुरक्षा बढ़ेगी। स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग के अंतर्गत फायर अलार्म सिस्टम भी लगाया गया है।

रेलवे स्टेशन पर डाटा लागर इफ्ट्रॉनिक्स लगने से स्टेशन से संचालित होने वाली गाड़ियों का रिकॉर्ड भी सुरक्षित रहेगा। इससे भविष्य में ऋषिकेश रेलवे स्टेशन पर गाड़ियों की संख्या को भी बढ़ाया जा सकता है। बता दें कि रेल मंडल मुरादाबाद की गति शक्ति यूनिट की ओर से पुराने ऋषिकेश रेलवे स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग का कार्य दिसंबर के पहले हफ्ते में शुरू किया गया था, जो बीते दिन पूरा हो गया। मुख्य परियोजना प्रबंधक (गति शक्ति) यशवंत सिंह के निर्देशन में तथा अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) राकेश सिंह की उपस्थिति में पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग का विधिवत उद्घाटन कर रेलगाड़ियों का संचालन शुरू किया गया।

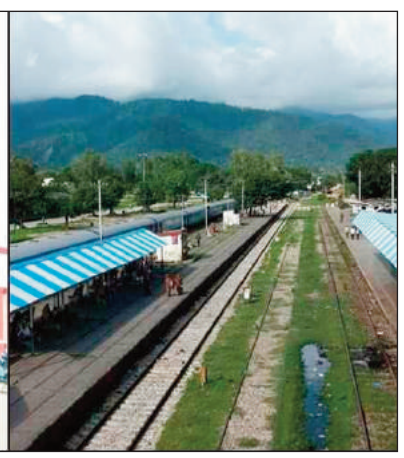

बॉलीवुड एक्टिंग स्कूल ऑफ़ आर्ट्स के टैलेंट हंट को जज करने पहुंचेंगे 'राहुल रॉय'

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। बॉलीवुड एक्टिंग स्कूल ऑफ़ आर्ट्स की ओर से पिछले कई दिनों से टैलेंट हंट की ऑडिशंस चल रहे थे जिसमें अब तक 300 से भी अधिक प्रतिभागी प्रतिभा कर चुके हैं जिसमें से कुछ चयनित के बीच अब ग्रैंड फिनाले का आयोजन आगामी 16 दिसंबर को होने जा रहा है जिसको जज करने के लिए मुख्य रूप से सेलिब्रिटी जज के रूप में आशिकी फिल्म अभिनेता राहुल रॉय शिरकत करेंगे।

जानकारी देते हुए आयोजक गुरचरण लाल चढ़ाना जुल्फिकार टाइगर ने बताया कि इस ₹ऑडिशनर के आयोजन ने उत्तराखंड प्रदेश वासियों के लिए ₹सिने जगत₹ से जुड़े नाना प्रकार के व्यवस्थाओं जैसी ट्रांसपोर्ट,फूड इंडस्ट्री, एडवर्टाइजमेंट एंड मीडिया, लेबर, कैटरिंग, होटल इंडस्ट्री इत्यादिकी की दिशा में कई व्यवसाय की मौके खोल दिए हैं जिससे प्रसिद्ध प्रदेश के वीडियो को कई व्यवसाय के अवसर प्रदान होंगे।आयोजक श्री गुरचरण लाल सदाना ने व्यक्तिगत बातचीत के दौरान समस्त उत्तराखंडी माता-पिता से अपील की है कि वो अपने बच्चों को ₹सिने जगत₹ की दिशा पर अग्रसर होने के लिए प्रोत्साहित करें और उनका मनोबल बढ़ाएं, विशेषकर वो माता-पिता जिनकी सिर्फ बेटियाँ हैं। उन्होंने कहा कि सारे माता-पिता को अपनी "रूढ़िवादी मानसिकता" को छोड़कर और उससे बाहर

निकालकर अपने बच्चों को "सिने जगत" के रास्ते पर अग्रसर होने के लिए प्रेरणा देनी चाहिए ।

₹बॉलीवुड एक्टर्स स्कूल ऑफ आर्ट्स₹ का दावा है कि वह भारत में एकमात्र ₹सिने ट्रेनिंगर अकादमी है जो आपको फिल्में, धारावाहिक, वेब सीरीज, वीडियो स्ट्रीम, फिल्में, फिल्में आदि में सामान्यीकृत और सबसे न्यूनतम शुल्क में प्रशिक्षण सेवाएं प्रदान करती है जिसमें 3 महीने 6 महीने तथा 1 साल के कोर्स शामिल है और शारीरिक रूप से अक्षम जन तथा जमीनी गरीबी रेखा के नीचे के लोगों के लिए विशेष छूट भी दी जाती है। उन्होंने बताया की आयोजन रिंग रोड स्थित पर्ल एवेन्यू होटल में होने जा रहा है जिसमे शहर की कई जानी मानी हस्तियां शिरकत करने जा रही है।

देहरादून : अब मोबाइल पर एक क्लिक से घर पर पहुंचेगा ऑटो रिक्शा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 15 दिसंबर : देहरादून में परिवहन सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए कई योजनाओं पर काम चल रहा है। इसी कड़ी में परिवहन विभाग ऑटो, ई-रिक्शा और विक्रम की बुकिंग के लिए ऐप आधारित सेवा देने पर विचार कर रहा है। ताकि लोग ऐप के जरिए ऑटो और विक्रम अपने घर के दरवाजे पर बुला सकें। 23 दिसंबर को संभागीय परिवहन प्राधिकरण की बैठक होनी है। जिसमें कुछ नए प्रस्ताव रखे जाएंगे।

बैठक का मुख्य फोकस परिवहन सेवाओं को बेहतर बनाने पर होगा। बैठक में उन योजनाओं के प्रस्तावों पर सुनवाई होगी, जिन पर अब तक अमल नहीं किया गया है। आरटीओ सुनील शर्मा ने बताया है कि इस बार परिवहन विभाग नए प्रस्ताव लेकर आ रहा है। इसमें ऐप के जरिए ऑटो, रिक्शा, विक्रम की बुकिंग शामिल है। विभाग ने बैठक से पहले आम लोगों और

संगठनों से व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं। शहर के बेतरतीब पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम को सुधारा जाएगा।

संभागीय परिवहन विभाग ने अर्बन मोबिलिटी प्लान के लिए देहरादून सिटी न्यू ट्रांसपोर्ट सिस्टम बनाया है। आरटीए की मंजूरी मिलते ही इसे लागू कर दिया जाएगा। बता दें कि आरटीए की बैठक में पहले भी स्टॉपेज की जियो ट्रैकिंग करके यात्रियों को एप आधारित सुविधा देने की बात उठी थी, लेकिन योजना पर अब तक अमल नहीं हो सका। इसी तरह पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए कॉरिडोर व्यवस्था भी लागू होनी है। इन सभी योजनाओं पर आगामी बैठक में चर्चा होने की उम्मीद है।

टीवी बंद होने पर काली ही क्यों होती है स्क्रीन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 15 दिसंबर : बच्चे हों या बूढ़े सभी टीवी देखना पसंद करते हैं। लोग टीवी देखने में घंटों बिताते हैं। लेकिन इतना टीवी देखने के बावजूद वह इससे जुड़े एक तथ्य से अनजान हैं, जिसे वह लगभग हर दिन गौर से देखते होंगे, लेकिन पता नहीं क्यों। आपका टीवी, जो आपको अलग-अलग रंग दिखाता है, बंद करते ही काला क्यों हो जाता है? क्या आपने कभी गौर किया है कि जब टीवी बंद होता है, तो वह काला और सफेद, पीला या नीला क्यों नहीं होता है।

आज हम आपको इसी रहस्य का जवाब देने जा रहे हैं। रोज टीवी देखते समय आपने देखा होगा कि जब इसे बंद किया जाता है तो यह काला हो जाता है। ये सवाल सोशल मीडिया पर पूछा गया, जिसका लोगों ने जवाब दिया. पर आम लोग सवाल पूछते हैं और आम लोग ही उनका जवाब देते हैं जरूरी नहीं कि उस विषय के विशेषज्ञ ही हों. ऐसे में जो भी

जवाब दिए गए हैं, हम उनके सही होने का दावा नहीं कर रहे हैं.

आज हम आपको इसी रहस्य का जवाब देने जा रहे हैं। रोज टीवी देखते समय आपने देखा होगा कि जब इसे बंद किया जाता है तो यह काला हो जाता है। ये सवाल सोशल मीडिया साइट Quora पर पूछा गया, जिसका लोगों ने जवाब दिया. Quora पर आम लोग सवाल पूछते हैं और आम लोग ही उनका जवाब देते हैं जरूरी नहीं कि उस विषय के विशेषज्ञ ही हों। ऐसे में जो भी जवाब दिए गए हैं, हम उनके सही होने का दावा नहीं कर रहे हैं.

यह स्क्रीन की वजह से है

लोगों ने जवाब दिया कि प्रकाश उत्सर्जक स्क्रीन बंद होने पर प्रकाश उत्पन्न करना बंद कर देते हैं। यह सीआरटी, ओएलईडी और प्लाज्मा स्क्रीन के लिए सही है जो सीधे पिक्सेल से प्रकाश उत्सर्जित करते हैं, और एलसीडी जहां प्रकाश बैकलाइट से आता है। तो स्क्रीन स्वाभाविक रूप से काली हो जाती है। इसके अतिरिक्त, इस प्रकार के डिज़ाइन वाली स्क्रीन में अक्सर उनकी सामने की परत के रूप में गहरे कांच की परत होती है, या सक्रिय पिक्सेल के चारों ओर काला रंग होता है। इसका उपयोग अच्छी रोशनी वाले कमरों में कंट्रास्ट बढ़ाने के लिए किया जाता है। इसलिए बंद होने पर यह काला दिखाई देता है।

संक्षिप्त खबरें

सीएनजी ऑटो के परमिट दिए तो करेंगे विरोध

देहरादून। दून ऑटो-रिक्शा यूनियन ने सीएनजी ऑटो के परमिट ओपन करने के प्रस्ताव का विरोध किया है। यूनियन ने चेतावनी दी कि यदि आरटीए की बैठक में परमिट देने का फैसला होता है विरोध तेज किया जाएगा। यूनियन के अध्यक्ष पंकज अरोड़ा ने कहा कि 23 दिसंबर को होने वाली आरटीए की बैठक में सीएनजी ऑटो के परमिट ओपन करने की तैयारी चल रही है, जो गलत है। शहर में पहले से दो हजार से ज्यादा ऑटो चल रहे है। इसके अलावा छह हजार से ज्यादा ई रिक्शा भी हैं, जिससे शहर की यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। उन्होंने मांग की है कि सीएनजी ऑटो के परमिट देने का प्रस्ताव वापस लिया जाए। इसके साथ ही नये ऑटो स्टैंड के लिए स्थान देने और ऑटो को मैक्स अस्पताल और जौलीग्रांट एयरपोर्ट जाने की अनुमति देने की मांग की है। महामंत्री शेखर कपिल ने चेताया कि यदि सीएनजी ऑटो के परमिट देने पर फैसला होता है तो यूनियन इसका पुरजोर विरोध करेगी। अपर नेहरूग्राम क्षेत्र में यात्री चलें: दून ऑटो-रिक्शा यूनियन अध्यक्ष एवं अपर नेहरू ग्राम निवासी पंकज अरोड़ा ने आरटीए सचिव को पत्र लिखा है। उन्होंने अपर नेहरूग्राम क्षेत्र में यात्री वाहनों के परमिट देने की मांग की है। कहा कि रायपुर से डोभालचौक-नेहरू कॉलोनी- धर्मपुर-आराघर के लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सुविधा नहीं है। जिस कारण लोगों को परेशानी हो रही है। उन्होंने इस रूट पर स्टेज कैरिज यात्री वाहनों को परमिट देने की मांग की है, ताकि स्कूली बच्चों और लोगों को आवाजाही में सुविधा हो सके।

विधायक ने साठ लाख के काम का उद्घाटन किया

हरिद्वार। हरिद्वार ग्रामीण विधायक अनुपमा रावत ने लालढांग के ग्राम कटेबड़, चमरिया लालढांग, रसूलपुर मीठी बेरी, मंगोलपुरा में विधायक निधि से लगभग 60 लाख से होने वाले विकास कार्यों का उद्घाटन किया। इस मौके पर शैलेन्द्र पाठक, हकीमउल्ला उस्मानी, सुरेन्द्र सिंह नेगी, खेम सिंह, देवेंद्र मेहरा, चंद्र मोहन, पुनीत, चौहाल सिंह आदि शामिल रहे।

नगर निगम ने पांच स्थानों पर जलाए अलाव

हरिद्वार। लगातार बढ़ रहे सर्दी के ग्राफ को देखते हुए नगर निगम प्रशासक जिलाधिकारी ने निराश्रितों के लिए अलाव जलाने की सुविधा शुरू करने के दिशा निर्देश जारी किए थे। जिसके बाद नगर निगम ने वर्तमान में पांच स्थानों पर अलाव की सुविधा उपलब्ध करानी शुरू कर दी है। नगर निगम ने बुधवार रात से बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन, शंकराचार्य चौक, पुरुषार्थी मार्केट, लालतारो पुल पर अलाव जलाने शुरू कर दिए हैं।

निकाय और लोकसभा चुनाव पूरी मजबूती से लड़ेगा यूकेडी: रावत

हरिद्वार। उत्तराखंड क्रांति दल की हरिद्वार महानगर इकाई नगर निकाय चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। चुनाव की तैयारियों को लेकर भूपतवाला में गायत्री विहार कालोनी स्थित जलाराम मंदिर में बैठक की। बैठक में हरिद्वार नगर निगम के सभी वार्डों में प्रत्याशी उतारने और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने का निर्णय लिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष पंकज व्यास ने कहा कि जिन मुद्दों को लेकर उत्तराखंड की जनता ने अलग राज्य के लिए संघर्ष किया, कांग्रेस और भाजपा की नीतियों से वे मुद्दे नेपथ्य में चले गए। कार्यकर्ता जनता के मुद्दों को लेकर संघर्ष करें। राज्य की जनता आज भी समस्याओं से जूझ रही है। यूकेडी की केंद्रीय उपाध्यक्ष सरिता पुरोहित व व्यापार प्रकोष्ठ के केंद्रीय अध्यक्ष सुमित अरोड़ा ने कहा कि हरिद्वार की जनता भाजपा और कांग्रेस दोनों को परख चुकी है। समस्याओं से त्रस्त जनता विकल्प के लिए में यूकेडी की तरफ देख रही है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता एकजुट होकर जन समस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष करें और भाजपा व कांग्रेस की विफलताओं को उजागर करें। महानगर अध्यक्ष गोकुल सिंह रावत ने कहा कि यूकेडी नगर निकाय और लोकसभा चुनाव पूरे दमखम से लड़ेगा। नगर निगम चुनाव में पार्टी सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। जिला प्रभारी बहादुर सिंह रावत व महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष हेमलता जोशी ने कार्यकर्ताओं का आभार जताया और कहा कि पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में जुट जाएं। बैठक में हेमलता जोशी, विपिन रावत, कार्यकारी महानगर कार्यकारी अध्यक्ष पूरण पाण्डेय, यशोदा यादव, चंद्रशेखर गोस्वामी आदि शामिल रहे।

शब्दावली

VALLEY OF WORDS

2023

INTERNATIONAL LITERATURE & ARTS FESTIVAL

7 SEVENTH EDITION

100 AUTHORS

36 SESSIONS

12 BOOK LAUNCHES

3 EXHIBITIONS

iti bhoj | iti kriti | iti smriti | iti natya | iti nritya

Conversations | Poetry Café | Mushaira | Evam Vadati Pustakam | Kavi Sammelan | Legends of Doon

16-17 December MADHUBAN HOTEL Dehradun

ENTRY FREE

www.valleyofwords.org

दून पुलिस भी हुई SMART

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जनपद देहरादून की यातायात व्यवस्था में प्रभावी सुधार हेतु एक नई पहल की शुरुआत करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा मुंबई की Idea Forge technology limited कंपनी से अनुबंध किया गया है। उक्त अनुबंध के तहत कंपनी द्वारा घंटाघर तथा आईएसबीटी के आसपास के ढाई किलोमीटर radius में सभी मुख्य मार्गो चकराता रोड, शिमला बायपास रोड, सहारनपुर रोड, हरिद्वार बायपास रोड, राजपुर रोड, ई0सी0 रोड आदि क्षेत्रों की हाईटेक ड्रोनों की सहायता से लगातार निगरानी की जायेगी तथा उक्त स्थानों पर यातायात नियमों का उल्लंघन, नो पार्किंग में खड़े वाहनों, अस्थाई अतिक्रमण पर नजर रखते हुए प्रभावी कार्यवाही की जायेगी, इसके अतिरिक्त नगर क्षेत्र में निकलने वाली शोभा यात्राओं व जूलूसो की नियमित मॉनिटरिंग भी उक्त ड्रोनों की सहायता से की जाएगी।

- **शोभायात्रा, जुलूस आदि की मॉनिटरिंग में होगी सहायक नई पहल**
- **एसएसपी दून ने किया Idea Forge technology limited कंपनी से अनुबंध, आज से विधिवत शुरू हुईं मॉनिटरिंग**
- **अनुबंध के आधार पर फर्स्ट फेज में दो हाईटेक ड्रोन की मदद से शहर में कार्यवाही की जाएगी, रिजल्ट के आधार पर दायरा बढ़ाया जाएगाः एसएसपी देहरादून**

शुरुआती फैज में पुलिस कार्यालय देहरादून तथा आई0एस0बी0टी0 स्थित कंट्रोल रूम से 02 ड्रोनों का संचालन किया जाएगा तथा इस दौरान उक्त सभी मार्गों पर हो रही प्रत्येक गतिविधि पर आसमान से पुलिस द्वारा नजदीकी नजर रखी जाएगी। उक्त ड्रोन्स का लाइव एक्सेस जनपद के उच्च अधिकारियों के पास भी रहेगा, जिससे उनके द्वारा भी समय-समय पर ड्रोन की गतिविधियों और उसकी लाइव लोकेशन से मॉनिटरिंग की जा सके।आज दिनांक 14/12/23 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा पुलिस ड्रोन सर्विस का विधिवत शुभारंभ किया गया, जिसके साथ ही उक्त ड्रोन के माध्यम से चिन्हित किए गए क्षेत्र की विधिवत मॉनिटरिंग की शुरुआत की गई है।

टेंशन लेना भी जरूरी इससे इम्यूनिटी बढ़ती है, रिसर्च

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 15 दिसंबर : भागदौड़ भरी जिंदगी में रोजमर्रा के छोटे-छोटे तनाव लेना अच्छा होता है। इससे दिमाग युवा बना रहता है और वृद्धावस्था बेहतर तरीके से गुजारने में मदद मिलती है। हाल ही में एक रिसर्च में यह बात सामने आई है। इससे पहले 1990 के दशक में इस तरह के तनाव को सेहत के लिए हानिकारक माना जाता था, लेकिन पहली बार फिरदौस डाभर नाम के एक अमेरिकी मनोचिकित्सक ने न्यूयॉर्क की रॉकफेलर यूनिवर्सिटी के एक रिसर्च के साथ इस संबंध में स्टडी की।

छोटे-छोटे तनाव हमारे इम्यून सिस्टम पर सकारात्मक असर डाल रहे हैं। आधुनिक दुनिया के लिए छोटे-छोटे तनाव बेहद जरूरी हैं। उदाहरण के तौर पर किसी एथलीट को आगामी दौड़ को लेकर थोड़ा तनाव होना जरूरी है।

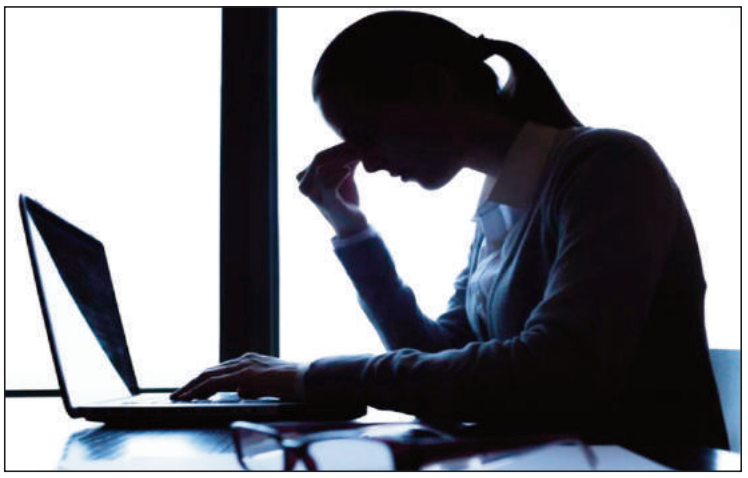

इससे हृदय और मांसपेशियों को मजबूती मिलती है और प्रदर्शन में सुधार आता है। हल्के शारीरिक व मानसिक तनाव दोनों से रक्त में इंटरल्यूकिन नामक रसायन बनता है। जो इम्यून सिस्टम को सक्रिय करता है। यह संक्रमण से लड़ने में मदद करता है। दिमाग का आकार 40 साल के बाद एक दशक में लगभग 5% की दर से घटता है। 70 की उम्र के बाद गिरावट की दर बढ़ जाती है। दिमाग की यह सिकुड़न ऐसे बुजुर्ग में 4 साल तक कम हो जाती है जो नियमित व्यायाम करते हैं।

एसएसपी अजय सिंह ने बिहार से खोद निकाला सोने का डकैत प्रिंस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड पुलिस को आख़िरकार बड़ी सफलता मिली है और देहरादून में नौ नवंबर को राजपुर रोड स्थित रिलायंस ज्वेल्स में हुई डकैती का मुख्य आरोपी प्रिंस कुमार वैशाली बिहार में गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी को बिहार पुलिस ने दबोचा है। दून पुलिस ने आरोपी पर दो लाख का इनाम घोषित किया था। बिहार गई दून पुलिस की टीम आरोपी से पूछताछ कर रही है। जल्द ही आरोपी को ट्रांजिट रिमांड पर देहरादून लाया जाएगा।

आपको याद दिला दें कि नौ नवंबर को राजपुर रोड स्थित रिलायंस ज्वेल्स में हथियारबंद बदमाशों ने 14 करोड़ की भीषण डकैती की थी। तब से लेकर अब तक दून पुलिस बदमाशों की तलाश में बिहार सहित अन्य प्रदेशों में लगातार

दबिश दे रही है। डकैती प्रकरण में अभी तक दून पुलिस आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। जिसमें दो लाख का इनामी विक्रम कुमार भी शामिल है।

एसएसपी अजय सिंह ने मीडिया को बताया कि रिलायंस ज्वेल्स लूट प्रकरण में घटना में शामिल मुख्य आरोपी प्रिंस तथा अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए उन्होंने खुद बिहार जाकर एडीजी एसटीएफ बिहार तथा एसएसपी वैशाली के साथ बैठक कर समन्वय स्थापित किया गया था। जांच के दौरान गैंग तथा आरोपियों के संबंध में मिल रही महत्वपूर्ण जानकारियों को लगातार बिहार एसटीएफ तथा बिहार पुलिस के साथ साझा किया जा रहा था। कहा कि दून पुलिस व बिहार पुलिस के बेहतर आपसी सामंजस्य तथा सूचनाओं के आदान-प्रदान से बुधवार को बिहार पुलिस ने देहरादून में हुई लूट की घटना में शामिल मुख्य अभियुक्त प्रिंस को वैशाली बिहार से गिरफ्तार कर लिया गया है। इसको देहरादून पुलिस और कप्तान अजय सिंह के लिए बड़ी कामयाबी मानी जा रही है।

कपड़ों की साइज में XS, S, M, L, XL, XXL, XXXL क्या हैं ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 15 दिसंबर , जब भी आप कोई T-Shirt या Shirt खरीदते हैं तो उस पर उनका साइज लिखा होता है, जैसे कि XS, S, M, L, XL, XXL, या XXXL। या जब आप Trousers, Pants या Jeans खरीदते हैं तो उसका साइज 28, 30, 32, 34, 36, 38 और 40 जैसे अंकों में लिखा होता है। लेकिन खरीदारी (Shopping) करने वाले कई लोगों को अक्सर इस बारे में कोई जानकारी नहीं होती है। आज हम कपड़ों में XS, S, M, L, XL, XXL, XXXL साइज का मतलब और इसे कैसे मापा जाता है, इसके बारे में जानने वाले हैं।

हम जब भी बाजार में कपड़े लेने जाते हैं तो हमें दुकानदार को अपने कपड़ों का साइज बताना होता है तो वह आपके साइज के हिसाब से आपको कपड़े दिखाता है। या फिर अगर आप कपड़ों की Online shopping करते हैं तो आपको Size option में से अपनी फिटिंग के हिसाब से XS, S, M, L, XL, XXL, XXXL साइज सेलेक्ट करना होता है। लेकिन कई लोगों को शर्ट, टी-शर्ट, ट्राउजर, पैंट या जींस जैसे कपड़ों के इन साइज के बारे में जानकारी नहीं होती है, जिससे वे कंफ्यूज हो जाते हैं कि किस साइज की ड्रेस (Dress) उन्हें फिट आएगी।

बाजार से कपड़े खरीदते समय अगर आपको अपनी ड्रेस के साइज के बारे में पता नहीं भी होता है तो आप उसे वहीं पहन कर देख सकते है और अगर वह आपको ठीक से फिट हो तो आप उसे खरीद लेते हैं। लेकिन जब आपको कपड़ों की Online shopping करनी हो तो वहां पर आपको अपना Size बताना होता है यानी आपको उसका चुनाव करना होता है यानी आपको दिए गए Size Chart में से अपना साइज सेलेक्ट करना होता है।

XS, S, M, L, XL, XXL, XXXL इन सभी का मतलब जानने से पहले हम आपको बताना चाहते हैं कि आप जब भी कोई Shirt या T-shirt खरीदते हैं तो उसका माप आपके छाती (Chest) के अनुसार होता है। और जब भी आप पतलून, Pant या Jeans खरीदते हैं तो उसकी माप आपकी कमर (Waist) के आकार के अनुसार होती है।

XS Size का मतलबः- XS का फुल फॉर्म एक्स्ट्रा स्मॉल साइज (Extra Small Size) होता है। लड़कों के कपड़ों के साइज की बात करें तो XS साइज 34 इंच के चेस्ट के हिसाब से होता है।

S Size का मतलबः- S का फुल फॉर्म स्मॉल साइज (Small Size) होता है और इसमें चेस्ट के हिसाब से S साइज 36 इंच होती है।

M Size का मतलबः- M का फुल फॉर्म मीडियम (Medium) होता है। लड़कों के कपड़ों के साइज की बात करें तो M साइज 38 इंच छाती के अनुसार होता है। यह साइज ज्यादातर पतले और कम कद के लड़कों पर फिट बैठता है।

L Size का मतलबः- L का फुल फॉर्म लार्ज (Large) होता है। इसमें चेस्ट साइज 40 इंच होती हैं। यह साइज ऊंचाई में लंबे और पतले लड़कों के लिए बिल्कुल फिट बैठती है।

XL Size का मतलबः- XL का फुल फॉर्म एक्स्ट्रा लार्ज (Extra Large) होता है। जिसमें छाती का साइज 42 इंच होता है। यह साइज सामान्य शरीर प्रकार के लड़कों के लिए बिल्कुल फिट बैठता है।

XXL Size का मतलबः- XXL का फुल फॉर्म एक्स्ट्रा एक्स्ट्रा लार्ज (Extra Extra Large) होता है। इसमें छाती का साइज 44 इंच होता है। अगर कोई व्यक्ति थोड़ा मोटा है तो यह साइज उनके लिए सही है।

XXXL Size का मतलबः- XXXL का फुल फॉर्म एक्स्ट्रा एक्स्ट्रा एक्स्ट्रा लार्ज (Extra Extra Extra Large) होता है। XXXL के चेस्ट का साइज 46 इंच होता है और यह साइज लगभग सभी मोटे लोगों पर फिट बैठता है।

उत्तराखंड : UKPSC ने खोला नौकरियों का पिटारा, जल्द करें आवेदन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 15 दिसंबर : सरकारी नौकरी की तलाश कर रहे युवा ध्यान दें। उत्तराखंड लोक सेवा आयोग ने राजकीय दुग्ध पर्यवेक्षक एवं गन्ना पर्यवेक्षक के पदों पर भर्ती निकाली है। कुल कितने पदों पर भर्ती निकली है और आवेदन कैसे करना होगा। सबसे पहले तो ये जान लें कि राजकीय दुग्ध पर्यवेक्षक एवं गन्ना पर्यवेक्षक परीक्षा-2023 के अंतर्गत कुल 91 पदों पर भर्ती निकली है।

जिनके लिए सीधी भर्ती द्वारा अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन-पत्र आमंत्रित किए गए हैं। ऑनलाइन आवेदन 14 दिसंबर से शुरू हो गए हैं। आवेदन की लास्ट डेट 03 जनवरी 2024 है। ज्यादा जानकारी के लिए अभ्यर्थी यूकेपीएससी की वेबसाइट psc.uk.gov.in पर विजिट करें। यहां आपको भर्ती से जुड़ी हर डिटेल मिलेगी। साथ ही भर्ती में योग्यता और आयु सीमा क्या है, ये भी पता चलेगा।

ऑनलाइन आवेदन करते समय अगर किसी तरह की परेशानी हो तो आप समाधान के लिए आयोग को ईमेल कर सकते हैं। यहां आपकी हर समस्या का समाधान किया जाएगा। यूकेपीएससी की ओर से निकाली गई भर्तियों पर आवेदन आज से शुरू हो गए हैं। इसलिए देर न करें, जल्द से जल्द आवेदन करें।

बर्खास्त और निलंबन में क्या फर्क होता है ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 15 दिसंबर , जब आप कोई नौकरी करते हैं या नौकरी करने के बारे में पढ़ते हैं तो कई ऐसे शब्द (टर्म्स) आते हैं जिनको आप ठीक से समझ नहीं पाते या फिर कंफ्यूज हो जाते हैं कि इस शब्द का अर्थ क्या होता होगा? ऐसे ही 2 टर्म्स हैं जो कॉर्पोरेट जगत में इस्तेमाल होते हैं। सस्पेंड और बर्खास्त आखिर ये क्या होते हैं? सबसे पहले आपको बता दें के सस्पेंड (Suspend) का अर्थ होता है निलंबित और बर्खास्त का अर्थ होता है डिसमिस (Dismiss), कईं लोग यह समझते हैं कि सस्पेंड करना मतलब नौकरी से निकाल देना परन्तु ऐसा नहीं है। आज हम संक्षिप्त में जानेंगे कि सस्पेंड और बर्खास्त में क्या अंतर है?

निलंबित या ससपेंड का अर्थ

किसी भी कर्मचारी के निलंबित होने पर उसे वह नौकरी फिर से प्राप्त हो सकती है। निलंबित करने का अर्थ नौकरी से हटाना नहीं बल्कि कुछ समय के लिए नौकरी से निकाल देना होता है जो कि उस कर्मचारी पर लगे किसी आरोप के कारण किया जाता है। कुछ समय के लिए किसी कर्मचारी को निकालने की इस क्रिया को निलंबित करना या सस्पेंड करना कहते है।

बर्खास्त या डिसमिस का अर्थ

जब कोई कर्मचारी डिसमिस किया जाता है तो उसे निलंबन की तरह आधा वेतन नहीं मिलता है। बर्खास्त किये कर्मचारी को पी.एफ. भी नहीं दिया जाता, उसे सिर्फ ग्रेजुएटी ही मिलती है। किसी भी कर्मचारी को बर्खास्त करने का अधिकार उस डिपार्टमेंट के सबसे बड़े अधिकारी को होता है। बर्खास्त का सीधा सीधा तात्पर्य है कि उसे नौकरी से सीधा निकाल दिया गया है।

डीएम सोनिका जब पहुंची औचक निरीक्षण पर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,14 दिसंबर,(जि सू का) जिलाधिकारी श्रीमती सोनिका ने आज विकासखण्ड रायपुर कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कार्यालय में व्यवस्था देंखी। जिलाधिकारी ने उपस्थिति पंजिका का अवलोकन करते हुए उपस्थित कार्मिकों को नामवार बुलाते हुए उपस्थिति जांची। फील्ड में गए कार्मिकों को वीडियोकॉल से जांची उपस्थिति। फोन न उठाने वाले दो फील्ड पर गए कार्मिकों का एक दिन का सीएल की कटौति के निर्देश खण्ड विकास अधिकारी को दिए।

जिलाधिकारी ने खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि जो कार्मिक कार्यालय में रहतें है वे अपनी सीटों पर बैठकर जनमानस की समस्याएं निपटाएं। उन्होंने कहा कि जो कार्मिक फील्ड पर रहते हैं उनका पूर्ण विवरण यात्रा रजिस्टर में अंकन किया जाए। उन्होंने विकासखण्ड कार्यालय परिसर में स्थित महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा संचालित कैंटीन का निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाएं देखी तथा महिला समूहों की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया कार्मिकों के कार्यों की मॉनिटिरिंग के साथ ही

कार्यालय में आवेदनों के सापेक्ष किये गए समाधान की भी अपने स्तर पर नियमित समीक्षा करें ताकि लोगों को अनावश्यक ना भटकना पड़े। उन्होंने कार्यालय परिसर साफ-सफाई एवं सामग्री को व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए।

इस दौरान सहायक निदेशक सूचना बी.सी नेगी, खण्ड विकास अधिकारी अर्पणा बहुगुणा सहित कार्यालय के कार्मिक उपस्थित रहे। इससे पूर्व जिलाधिकारी ने ईवीएम वेयर हाउस का मासिक निरीक्षण भी किया।

संपादकीय

संसद सुरक्षा धुआं-धुआं

संसद पर आतंकी हमले की 22वीं बरसी के दिन ही संसद पर एक और प्रहार किया गया। देश 13 दिसंबर, 2001 का दिन नहीं भूला होगा, जब पाकपरस्त आतंकियों ने संसद के परिसर में घुसकर हमला किया था और हमारे 14 सुरक्षाकर्मी जवान 'शहीद' हुए थे। आतंकियों को भी ढेर कर दिया गया था। उसके बाद सुरक्षा-व्यवस्था में जो बदलाव किए गए, उनके मद्देनजर अक्सर दावा किया गया कि परिंदा भी पर नहीं मार सकता। हमारी गालबजाई तब खोखली साबित हुई, जब 13 दिसंबर, 2023 को लोकसभा में 'शून्य काल' की कार्यवाही चल रही थी। अचानक दो युवकों ने 'दर्शक-दीर्घा' से छलांग लगा दी। कूदने के बाद एक युवक सांसदों की सीटें फांदता रहा और सदन में दहशत फैल गई। अफरातफरी मच गई। सांसद 'पकड़ो-पकड़ो' चिल्लाने लगे। अचानक एक युवक ने अपना जूता खोला और किसी 'स्मोक क्रैकर' का इस्तेमाल किया, नतीजतन लोकसभा में 'पीला-सा धुआं' फैलने लगा। जब तक मार्शल या सुरक्षाकर्मी आते, तब तक सांसदों ने उन घुसपैठियों को घेर कर धर दबोचा और पिटाई की। बेशक यह आतंकी हमला नहीं था, लेकिन युवकों के मंसूबे कमतर भी नहीं थे। यह प्रहार कुछ भी साबित हो सकता था। शुक्र है कि सदन में उस समय प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, रक्षा मंत्री आदि मौजूद नहीं थे, लेकिन सांसदों की मौजूदगी अच्छी-खासी थी। पीला धुआं फैला कर युवक एक निश्चित संदेश देना चाहते थे कि संसद के भीतर घुसकर भी हमला किया जा सकता है! बेशक धुआं खतरनाक, जहरीला नहीं था, लेकिन इस तरह किसी रासायनिक द्रव्य का भी इस्तेमाल किया जा सकता था, क्योंकि यह रासायनिक अस्त्रों का दौर है! जूते में छोटा-सा बम भी छिपा कर संसद के भीतर लाया जा सकता था! ऐसे ही स्मोक बम और स्मोक ग्रेनेड भी होते हैं। कल्पना कीजिए कि 2001 के आतंकी हमले के दौरान करीब 250 सांसद दोनों सदनों में थे। यदि आतंकी अपने हथियारों के संग सदनों के भीतर घुसने में कामयाब हो जाते, तो अंजाम क्या हो सकता था? इसी तरह युवकों द्वारा छोड़ा गया 'पीला धुआं' घातक और विषैला होता, तो कितना बड़ा हादसा हो सकता था! यह सिर्फ सुरक्षा संबंधी गंभीर चूक नहीं है, बल्कि हमारे देश पर प्रतीकात्मक प्रहार भी है। खुफियागीरी भी नाकाम रही है। सुरक्षा बंदोबस्त और जांच-पड़ताल में दरारें हैं, जो युवकों के जूतों में रखा गया 'स्मोक क्रैकर' या स्प्रे जैसा उपकरण सुरक्षा स्कैनिंग के रडार पर नहीं आया। संसद के भीतर जाना बिल्कुल भी आसान नहीं है। सांसद के सिफारिशी पत्र के बावजूद दीर्घा तक पहुंचना आसान और सपाट नहीं है। संसद की कार्यवाही कवर करने वाले पत्रकारों को भी कंप्यूटरीकृत सुरक्षा जांच से होकर गुजरना पड़ता है। सुरक्षा के चार घेरों के बावजूद 'पीले धुएं' वाले द्रव्य या क्रैकर को पकड़ा नहीं जा सका, यह हमारी सुरक्षा का अधूरापन है। संयोग है कि दो प्रदर्शनकारियों ने संसद के बाहर 'पीला धुआं' फैलाया और नारेबाजी की। दो युवकों ने संसद की सुरक्षा को धुआं-धुआं कर दिया।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

पुलिस को हिंदी में क्या कहते हैं?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पुलिस का नाम आते ही अच्छे-अच्छे चोर-बदमाशों के पसीने छूट जाते हैं। पुलिस एक सुरक्षा बल (Security force) होता है जिसका उपयोग किसी भी देश की आंतरिक नागरिक सुरक्षा के लिए किया जाता है। पुलिस विभाग जनता के जान-माल, सरकारी संपत्ति, देश में शांति और सुरक्षा के लिए जिम्मेदार एक सरकारी विभाग है और यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार है कि देश की जनता कानून का सक्ति से पालन करें।इस संगठन से जुड़े पुरुषों और महिलाओं को पुलिस कहा जाता है। पुलिस विभाग में कौन सा अधिकारी किस पद पर है इसका पता उसकी वर्दी पर लगे स्टार से पता चल जाता है।

लेकिन क्या आप जानते हैं की पुलिस को हिंदी में क्या कहते हैं? अगर आप नहीं जानते हैं तो आपको हम बताते हैं कि पुलिस का हिंदी में क्या मतलब होता है पुलिस किसे कहते हैं? और पुलिस का फुल फॉर्म क्या होता है? वर्तमान समय में हिंदी भाषा में कई अन्य भाषाओं के शब्दों का मिश्रण हो गया है, जिनका उच्चारण उसी तरह किया जाता है जैसे किसी विदेशी भाषा में किया जाता है। लेकिन जब हमसे पूछा जाता है कि फलां शब्द का हिंदी में क्या मतलब होता है, तो हम सोचने पर मजबूर हो जाते हैं।

कई बार पुलिस के स्थान पर आरक्षी या आरक्षक सिपाही शब्द को भी प्रयोग में लिया जाता है। हालांकि यह शब्द हम कम ही सुनते मिलते हैं। आरक्षी शब्द संस्कृत का शब्द है जिसे हम पुलिस का पर्यायवाची भी मान सकते हैं। हिंदी भाषा में पुलिस को राजकीय जनरक्षक (Rajkiya Jan Rakshak) भी कहा जाता है। हांलाकि, यह हिंदी शब्द भी हमें कम ही सुनने को मिलता है क्योंकि इसका प्रयोग बहुत ही कम जगहों पर किया जाता है।पुलिस शब्द राजकीय जनरक्षक बोलने की तुलना में आसान और छोटा है। इसलिए लोग राजकीय जनरक्षक बोलने के बजाय पुलिस बोलना अधिक पसंद करते हैं।

POLICE शब्द कुल 6 अक्षरों से मिलकर बना है, जिनमें से प्रत्येक अक्षर का अर्थ अलग-अलग है। P अक्षर का अर्थ है Protection, जिसे हिंदी में सुरक्षा के नाम से भी जाना जाता है, इसके बाद O आता है जिसका मतलब Of होता है, और L का अर्थ है Life, I का अर्थ है In, C का अर्थ है Civil और E का अर्थ है Established

मसूरी : मंत्री गणेश जोशी ने बैठक कर अधिकारियों को दिए दिशा निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 15 दिसम्बर : कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने लोक निर्माण विभाग अधिकारियों के साथ मसूरी विधानसभा के अंतर्गत विभिन्न विकास योजनाओं के संबंध में बैठक की। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने मसूरी विधानसभा के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग द्वारा किए जा रहे विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की अधिकारियों से विस्तार से जानकारी प्राप्त की। कैबिनेट मंत्री ने अधिकारियों को मसूरी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

मंत्री ने बार्लोगंज, चामासारी, क्यारा-धनोल्टी, गढ़ बुरांसखंडा, मोटी धार -मरसना, तिमली मान सिंह का सड़क मार्ग के निर्माण कार्यों को जल्द से जल्द किए जाए। उन्होंने अधिकारियों को वन स्वीकृति तथा शासन से संबंधित विसंगतियों को शीघ्र समाधान कर निर्माण कार्य प्रारंभ किए जाए। मंत्री ने मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ किए जाए।

काबीना मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा मसूरी विधानसभा क्षेत्र के लंबित सभी सड़क निर्माण कार्यों को शीघ्र अति शीघ्र पूर्ण किए जाए। अधिकारियों द्वारा बताया गया गया कामाख्या माता मंदिर में पुल निर्माण हेतु डीपीआर तैयार हो गई है जल्द ही निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता अनिल पांगती, ईई जितेन्द्र त्रिपाठी उपस्थित रहे।

एडीजी अंशुमन ने विधान सभा की सुरक्षा व्यवस्था की बारीकियों को जांचा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,14 दिसंबर। मुख्यमंत्री धामी के निर्देशानुसार अपर पुलिस महानिदेशक अपराध एवं कानून व्यवस्था की अध्यक्षता में पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल परिक्षेत्र, पुलिस उपमहानिरीक्षक सुरक्षा, एसएसपी देहरादून, एसपी सुरक्षा, स्थानीय अभिसूचना इकाई, अग्निशमन, पी0ए0सी तथा विधानसभा उत्तराखण्ड के सुरक्षा अधिकारियों की टीम के द्वारा विधानसभा का भ्रमण कर विधानसभा की सुरक्षा समीक्षा की गयी । जिसमें विधानसभा स्थित कंट्रोल रूम, सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता तथा विधानसभा में स्थापित विभिन्न अग्निशमन उपकरणों का विस्तृत रूप से सुरक्षा ऑडिट किया गया । अपर पुलिस महानिदेशक अपराध एवं कानून व्यवस्था एपी अंशुमन द्वारा विधानसभा की सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था के सम्बंध में उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए । विधानसभा सत्र के दौरान पुख्ता सुरक्षा के सम्बंध में महोदय द्वारा सम्बन्धित अधिकारियों को एसओपी बनाने के निर्देश दिए गए ।एसओपी में विधानसभा में प्रवेश करने वाले व्यक्तियों, कर्मचारियों एवं मीडिया कर्मचारियों के आवागमन, Access Control, Checking-Frisking के सम्बंध मे विस्तृत कार्ययोजना बनाने के सम्बंध मे दिशा-निर्देश दिये गए । विधानसभा की Peripheral Wall, Watch tower & Entry/Exit point की सुरक्षा व्यवस्था के सम्बंध में भी महोदय द्वारा निर्देश दिए गए। साथ ही अवगत कराया गया कि विधानसभा की सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की चूक ना हो।

प्रचंड बहुमत देकर जनता ने दिया सकारात्मक संदेशः यतीश्वरानंद

हरिद्वार। पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद ने कहा कि तीन प्रदेशों में विधानसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत देकर साबित कर दिया है कि देश की जनता का विश्वास भाजपा की केंद्र सरकार के प्रति बढ़ा है। उन्होंने आह्वान करते हुए कहा कि मिशन 2024 को फतह करने के लिए अभी से जुट जाओ। यह बातें उन्होंने विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत आयोजित कार्यक्रम में कही। ग्राम धारीवाला में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य बताते हुए स्वामी यतीश्वरानंद ने कहा कि केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और नीतियों के बारे में जागरूकता फैलाना एवं प्रमुख सरकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना है। अधिक से अधिक परिवारों को पीएम उज्ज्वला योजना के लिए पंजीकरण कराने का है। उन्होंने आमजन के साथ गरीबों के लिए चलाई गईं केंद्र सरकार की योजनाओं के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि पक्का मकान, नल जल कनेक्शन, शौचालय, निशुल्क इलाज, निशुल्क राशन, गैस कनेक्शन, बिजली कनेक्शन, बैंक खाता खुलवाने, पीएम किसान सम्मान निधि, पीएम फसल बीमा योजना, पीएम स्वनिधि योजना और प्रधानमंत्री स्वामित्व संपत्ति कार्ड से सभी को फायदा हुआ है। मंडल अध्यक्ष जितेंद्र सैनी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

नाले में मिला ई-रिक्शा चालक का शव

हरिद्वार। ज्वालापुर क्षेत्र में नाले में गिरने से एक ई-रिक्शा चालक की मौत हो गई। स्थानीय पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया। गुरुवार सुबह पुलिस को सूचना मिली की गुघाल रोड में धीरवाली में बैंक्वट हाल के पास नाले में एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया। जिसकी पहचान मन्नू (30) पुत्र अजब, निवासी गुघाल रोड धीरवाली के रूप में हुई। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक नशे का आदी था। पुलिस की माने तो प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत हो रहा है कि नशे की हालत में नाले में गिरने के चलते युवक की मौत हुई है। कोतवाली प्रभारी विजय सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह सामने आ जाएगी।

युवाओं से संसद घेराव कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान

हरिद्वार। युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों ने मध्य हरिद्वार स्थित होटल में बैठक आयोजित की। बैठक में यूथ जोड़ो बूथ जोड़ो, संसद घेराव कार्यक्रम पर चर्चा की गई। इस अवसर पर प्रदेश प्रभारी शिवि चौहान और प्रदेश अध्यक्ष सुमित्तर भुल्लर ने कहा कि प्रत्येक पदाधिकारी यूथ जोड़ो बूथ जोड़ो कार्यक्रम को सफल बनाये। चुनाव में हार जीत तो होती रहती है उससे निराश होने की आवश्यकता नहीं है। जनता के बीच जाओ और युवाओं की आवाज उठाओ। 20 दिसंबर को संसद घेराव का कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जिले से अधिक से अधिक लोगों को दिल्ली पहुंचना है। हरिद्वार जिलाध्यक्ष कैश खुराना, रुडक़ी जिलाध्यक्ष सचिन चौधरी ने कहा कि यूथ कांग्रेस प्रदेश के युवाओं की लड़ाई को आगे बढ़ा रही है।

रोजगार का मुद्दा बहुत बड़ा है। सिडकुल में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार मिले। जल्द ही सिडकुल घेराव का कार्यक्रम भी होगा। संसद घेराव में भी सैकड़ों की संख्या में युवा दिल्ली पहुंचेंगे। उपाध्यक्ष लक्ष्य चौहान, आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि ऐप के माध्यम से अधिक से अधिक युवाओं को युवा कांग्रेस से जोड़ा जाएगा। इस अवसर पर ग्रामीण विधानसभा अध्यक्ष जरीफ खान, महबूब आलम, उपाध्यक्ष सुमित सैनी, महासचिव लक्की महाजन, हरजीत सिंह, शहजाद अली, शुभम जोशी, डा. अनूप, विकास शर्मा, मुजफ्फर अली, नईम मलिक, अब्दुस समद, आनंद शर्मा, अमित कुमार, अशोक सैनी, गुलबहार मलिक, ऋतुराज, मुकुल चौहान, दाताराम चौहान आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

भविष्य के ऊर्जा स्रोतों में सबसे अहम सोलर एनर्जी का विकल्प

देहरादून। राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस पर उत्तराखंड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण(उरेडा) व ओएनजीसी द्वारा संयुक्त रुप से ऊर्जा संरक्षण पर आयोजित निबंध, चित्रकला व क्विज प्रतियोगिताओं के पुरस्कार वितरण समारोह में विजेता स्कूली छात्रों को सम्मानित किया गया। विजेता प्रथम, द्वितीय व तृतीय छात्रों को विजेता राशि के चेक, प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। कार्यक्रम में 2024 का ऊर्जा संरक्षण सम्बंधी कलेंडर का विमोचन भी किया। ओएनजीसी के केडीएमपीआई के लघु ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उत्तराखंड विद्युत नियामक आयोग चैयरमैन डीपी गैरोला ने छात्रों को ऊर्जा का महत्व बताते हुए कहा कि भविष्य के ऊर्जा स्रोतों में सबसे अहम सोलर एनर्जी है। इसका इस्तेमाल बढ़ाना होगा। दुनिया में फॉसिल्स फ्यूल तेजी से खत्म हो रहा है। हमारा सिस्टम वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की ओर तेजी से बढ़ रहा है। एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर ओएनजीसी एके गोयल ने कहा कि ई-व्हीकल का प्रयोग समय की मांग है। ओएनजीसी द्वारा एक तेल के कुएं की खुदाई में चार सौ करोड़ का खर्च आता है। जाहिर सी बात है कि इसका असर तेलों की कीमत पर भी पड़ता है। भारत 2070 तक नेट जीरो के लक्ष्य के अनुरुप काम कर रहा है। उरेडा के मुख्य परियोजना अधिकारी राजीव गुप्ता ने राज्य में उरेडा द्वारा चलाई जा रही अक्षय ऊर्जा योजनाओं की जानकारी दी। मुख्य वित्त अधिकारी शशि सिंह, सीजीएम सीटीएस ओएनजीसी करनैल चंद्र, जीएम ओएनजीसी जेएस अलारिया, मनोज कुमार, संदीप भट्ट ने भी विचार रखे। मौके पर ई-व्हीकल की प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया।

रूकबी होटल ने जीता क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मैच

देहरादून। मसूरी होटल क्रिकेट लीग द्वारा आयोजित चार दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का गुरुवार को समापन हो गया। गुरुवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में रुकबी होटल ने जेपी होटल को लास्ट ओवर में दो विकेट से हराकर जीत हासिल की। पहले बल्लेबाजी करते हुए जेपी होटल की टीम ने 12 ओवर में 87 रन का लक्ष्य बनाया। वहीं, लक्ष्य का पीछा करते हुए। रुकबी होटल ने लास्ट ओवर की तीन गेदो में दो विकेट से मैच जीत लिया। इस मौके पर सलीम अहमद, नागेंद्र उनियाल, मनोज अग्रवाल, देवेंद्र उनियाल, विजय बिंदवाल, अजय उनियाल, संजय उनियाल, तनवीर खालसा, हर्षमणी सेमवाल, पवन लखेड़ा समेत अन्य मौजूद रहे।

क्षैतिज आरक्षण का विधेयक जारी न करने पर 26 से उग्र आंदोलन की चेतावनी

देहरादून। राज्य आंदोलनकारी संयुक्त मंच ने सरकारी सेवाओं में दस फीसदी क्षैतिज आरक्षण को लेकर सरकार के ढीले ढाले रवैये की आलोचना करते हुए कहा है कि यदि जल्द क्षैतिज आरक्षण के लए विधानसभा का विशेष सत्र लाकर कानूनी जामा न पहचाना गया तो राज्य आंदोलनकारी 26 दिसम्बर से उग्र आंदोलन को बाध्य होंगे। शहीद स्मारक में हुई एक पत्रकार वार्ता में संयुक्त मंच संयोजक क्रांति कुकरेती ने कहा कि समाचार पत्रों में सरकार के हवाले से इस आशय की खबरें प्रकाशित हुई हैं कि सरकार विधानसभा का विशेष सत्र जनवरी के अंतिम सप्ताह या फरवरी में आयोजित करने पर विचार कर रही है, इससे साफ है कि सरकार क्षैतिज आरक्षण के मुद्दे पर तय वादे के अनुसार काम नहीं कर रही है। इस पर मंच को कड़ी आपत्ति है। सरकार की वादे के अनुसार अब तक इसका जीओ जारी हो जाना चाहिए था। लेकिन सरकार जानबूझकर इस मुद्दे को लम्बा लटका रही है। सरकार ने सदन में वादा किया था कि वह 15 दिनों में विशेष सत्र आयोजित करके राज्य आंदोलनकारियों के 10 त्न क्षैतिज आरक्षण को कानूनी जामा पहना देगी। लेकिन 3-3 बार प्रवर समिति का कार्यकाल बढ़ाया गया, परन्तु आज तक धरातल पर कुछ हुआ नहीं। 25 दिसम्बर तक सत्र आयोजित कर इस विधेयक को राजभवन की मंजूरी न दिलवाई गई तो 26 दिसम्बर से उग्र आंदोलन शुरू कर दिया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी। वार्ता में राम किशन, विनोद असवाल, प्रभात डंडरियाल, शैलेन्द्र राणा, मनोज कुमार, आशीष चौहान, सुनीता ठाकुर, राम चन्द्र नौटियाल आदि उपस्थित रहे।

मसूरी में लेटर बॉक्स में फंसी उडऩे वाली गिलहरी को रेस्क्यू किया

देहरादून। मसूरी के लंढौर बाजार में देर रात मसूरी वन प्रभाग ने एक उडऩे वाली संरक्षित प्रजाति की गिलहरी का रेस्कयू किया। गिलहरी डाक विभाग के लेटर बॉक्स में फंस गई थी। वन विभाग की टीम ने गिलहरी को निकालकर रात में ही जंगल में छोड़ दिया। लंढौर बाजार में बुधवार रात पोस्ट ऑफिस के पास एक उडऩे वाली गिलहरी पोस्ट ऑफिस के लेटर बॉक्स में फंसी देखी गई। क्षेत्रवासियों ने वन विभाग मसूरी को इसकी सूचना दी। सूचना के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। बीस मिनट तक चले रेस्क्यू के बाद उडऩे वाली गिलहरी को पकड़ लिया। इसके बाद उसे जंगल में छोड दिया। बताया जा रहा है कि यह गिलहरी संरक्षित प्रजाति की है। बहुत कम दिखाई देती है। वन बीट अधिकारी बार्लोगंज मनवीर सिंह पंवार ने बताया कि रात 11 बजे फोन पर लोगों ने उडऩे वाली गिलहरी के लेटर बॉक्स में फंसे होने की सूचना दी। टीम ने मौके पर पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद गिलहरी को निकाला और उसे जंगल में छोड़ दिया। उन्होंने बताया कि यह फ्लाइंग स्क्वाइरल वाइल्ड लाइफ प्रोटेक्शन एक्ट 1972 सेडयूल सेकंड के तहत संरक्षित प्रजाति की है। उन्होंने कहा कि यह मसूरी में अब बहुत कम दिखाई देती है।

अग्रसेन घाट पर महिलाओं के लिए चेंजिग रूम का उद्घाटन

हरिद्वार। अग्रसेन घाट समिति की ओर से अग्रसेन घाट पर महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम का उद्घाटन पूर्व विधायक संजय गुप्ता ने किया। डॉ. विशाल गर्ग ने बताया कि अग्रसेन घाट पर जिस तरह से महिलाओं के सुरक्षित स्नान, सुरक्षा और स्वच्छता पर काम किया जा रहा है वह अपने आप में बाकी घाटों की व्यवस्था के लिए उदाहरण है। इस मौके पर रामबाबू गुप्ता, दाऊ दयाल, मनोज गुप्ता, प्रदीप मेहता, गगन गुप्ता, नीरज गुप्ता, शिवम बंधु गुप्ता, संजय आर्य, अवनीश गोयल, राजीव गुप्ता, ललित गोयल, हितेश अग्रवाल, आदित्य बंसल, नरेश रानी गर्ग, अरुणा बंसल, विश्वास जैन आदि शामिल रहे।

खो-खो टीम में एसएमजेएन की चार छात्राओं का चयन

हरिद्वार। नॉर्थ जोन महिला खो-खो प्रतियोगिता में एसएमजेएन पीजी कॉलेज की चार छात्राओं नंदनी, प्रिया, रीबा तथा दीक्षा का चयन होने के बाद कॉलेज खेलकूद समिति ने सभी चयनित छात्राओं का स्वागत कर शुभकामनाएं प्रेषित की। प्राचार्य प्रो. सुनील कुमार बत्रा ने चयनित छात्राओं को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस प्रकार की खेलकूद प्रतिभाओं को महाविद्यालय स्तर पर और भी अधिक विकसित किया जाएगा। प्रो. बत्रा ने छात्राओं के चयन पर मुख्य क्रीड़ा अधीक्षक प्रो. तेजवीर सिंह तोमर, सहायक क्रीड़ा अधीक्षक डॉ. सुषमा नयाल और क्रीड़ा प्रशिक्षक मनोज मलिक, रंजीता तथा खेलकूद प्रशिक्षु मधुर अनेजा की प्रशंसा की। मौके पर अधिष्ठाता छात्रा कल्याण डॉ. संजय कुमार माहेश्वरी, डॉ. विजय शर्मा, वैभव बत्रा, कार्यालय अधीक्षक मोहन चन्द्र पाण्डेय आदि ने बधाई दी।